Il Jai Sri Gurudev Il
Sri Adichunchanagiri Shikshana Trust (R.)

BGS Vijnatham School

वार्षिक परीक्षा (2025-26)

हिंदी मॉक टेस्ट पेपर उत्तर कुंजी

विषय: हिंदी **कक्षा: V** **कुल अंक: 60**

नामः .... **अवधि : २ घंटे ३० मिनट**

दिनांक : 24-02-2026

सामान्य निर्देश -

- **प्रश्नपत्र को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**
- **प्रश्नपत्र खंड क, ख, ग, घ में विभाजित है।**
- **सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।**

खंड क (अपठित गद्यांश) 12 अंक

प्रश्न 1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 6 अंक

विज्ञान ने मानव जीवन को अभूतपूर्व सुविधाएँ प्रदान की हैं। आज संचार के साधनों ने पूरी दुनिया को एक छोटे से गाँव में परिवर्तित कर दिया है। इंटरनेट, मोबाइल फोन और उपग्रह तकनीक के माध्यम से व्यक्ति कुछ ही क्षणों में दूर-दराज़ क्षेत्रों से संपर्क स्थापित कर सकता है। चिकित्सा के क्षेत्र में भी वैज्ञानिक प्रगति ने असाध्य रोगों के उपचार को संभव बनाया है। किन्तु विज्ञान के विकास के साथ अनेक चुनौतियाँ भी उत्पन्न हुई हैं। तकनीक पर अत्यधिक निर्भरता ने मनुष्य को शारीरिक रूप से निष्क्रिय और मानसिक रूप से तनावग्रस्त बना दिया है। सोशल मीडिया के दुरुपयोग से समय की बर्बादी तथा सामाजिक संबंधों में दूरी बढ़ रही है। इसके अतिरिक्त, वैज्ञानिक आविष्कारों का दुरुपयोग मानवता के लिए घातक सिद्ध हो सकता है। अतः आवश्यकता इस बात की है कि विज्ञान का उपयोग विवेक और नैतिक मूल्यों के साथ किया जाए। यदि मनुष्य विज्ञान को मानव कल्याण के साधन के रूप में अपनाए, तो यह वरदान सिद्ध होगा; अन्यथा इसका दुरुपयोग विनाश का कारण भी बन सकता है।

प्रश्नो के उतर लिखिए:

(क) विज्ञान ने मानव जीवन को क्या प्रदान किया है?

उत्तर- विज्ञान ने मानव जीवन को अभूतपूर्व सुविधाएँ प्रदान की हैं। इससे जीवन अधिक सुविधाजनक और तेज बना है।

(ख) संचार के साधनों ने दुनिया को किस रूप में परिवर्तित कर दिया है?

उत्तर- संचार के साधनों ने पूरी दुनिया को एक छोटे से गाँव के रूप में परिवर्तित कर दिया है, जहाँ लोग तुरंत एक-दूसरे से संपर्क कर सकते हैं।

(ग) चिकित्सा के क्षेत्र में वैज्ञानिक प्रगति का क्या लाभ हुआ है?

उत्तर- वैज्ञानिक प्रगति के कारण असाध्य रोगों का उपचार संभव हो गया है और चिकित्सा सुविधाएँ अधिक प्रभावी हुई हैं।

(घ) तकनीक पर अत्यधिक निर्भरता के क्या दुष्परिणाम हैं?

उत्तर- तकनीक पर अत्यधिक निर्भरता से मनुष्य शारीरिक रूप से निष्क्रिय और मानसिक रूप से तनावग्रस्त हो गया है। साथ ही, सोशल मीडिया के दुरुपयोग से समय की बर्बादी और सामाजिक संबंधों में दूरी बढ़ रही है।

(ङ) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

उत्तर- "विज्ञान: वरदान या अभिशाप"

(च) 'अभूतपूर्व' शब्द का अर्थ लिखिए।

उत्तर-'अभूतपूर्व' का अर्थ है — जो पहले कभी न हुआ हो।

प्रश्न 2. निम्नलिखित अपठित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 6 अंक

मेहनत से ही खिलता जीवन,
परिश्रम से मिलता सम्मान।
जो संकट से डरकर भागे,
रह जाता उसका अरमान।
अंधियारा चाहे घना हो,
दीपक फिर भी जलता है।
धैर्य और दृढ़ निश्चय वाला,
हर बाधा को छलता है।
कदम-कदम पर कठिन राह हो,
फिर भी मत तुम हारो।
साहस को अपना साथी बनाकर,
सपनों का आकाश निहारो।

प्रश्नो के उतर लिखिए:-

(क) जीवन में सम्मान किससे मिलता है?

उत्तर- जीवन में सम्मान परिश्रम और मेहनत से मिलता है।

(ख) जो व्यक्ति संकट से डरकर भागता है, उसका क्या होता है?

उत्तर- जो व्यक्ति संकट से डरकर भागता है, उसके अरमान अधूरे रह जाते हैं।

(ग) अंधकार के समय दीपक क्या करता है?

उत्तर- अंधकार चाहे कितना भी घना हो, दीपक फिर भी जलता रहता है और प्रकाश देता है।

(घ) 'दृढ़' शब्द का अर्थ लिखिए।

उत्तर- 'दृढ़' शब्द का अर्थ है — मजबूत या अटल।

(ड़) कवि ने किसे अपना साथी बनाने की प्रेरणा दी है?

उत्तर- कवि ने साहस को अपना साथी बनाने की प्रेरणा दी है।

(च) पद्यांश का मुख्य संदेश क्या है?

उत्तर- इस पद्यांश का मुख्य संदेश यह है कि जीवन में मेहनत, धैर्य, साहस और दृढ़ निश्चय से ही सफलता प्राप्त होती है।

खंड ख (व्याकरण) — 20 अंक

प्रश्न 3. बहुवैकल्पिक प्रश्नों के सही उत्तर पर सही (v) का निशान लगाएँ- **3 अंक**

(क) " **वह शाम को थोड़ा भोजन करती है।** " में कौन सा विराम - चिन्ह है?

(i) अल्पविराम (ii) योजक चिन्ह (iii) **पूर्णविराम** (iv) प्रश्नवाचक चिन्ह

(ख) पास - पाश का सही अर्थ क्या है?

(i) अनाज - दूसरा (ii) वायु - वार्ता (iii) बलिदान - बलशाली (iv) **निकट - जाल**

(ग) किसी काम के करने या होने को .....कहते है।

(i) संबंधबोधक अव्यय (ii) समुच्चयबोधक अव्यय (iii) क्रियाविशेषण (iv) **इनमे से कोई नहीं**

प्रश्न 4. निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थानों की पूर्ति निर्देशानुसार करें:- **3 अंक**

(क) क्या तुम सचिन ..... **की तरह** .....क्रिकेटर नहीं बनना चाहोगे? (संबंधबोधक अव्यय)

(ख) वे दोनों बहुत तेज़ खेले ..... **इसलिए**.....भारत ने मैच जीत लिया। (समुच्चयबोधक अव्यय)

(ग) ... **अरे!**.... इस बेचारे पक्षी को किसने घायल कर दिया? (विस्मयादिबोधक अव्यय)

प्रश्न 5. उचित विराम चिह्नों का प्रयोग करके वाक्य दोबारा लिखिए:- **3 अंक**

(क) सुबह जल्दी उठो **,** घूमने निकालो **,** बीमारियाँ पास नहीं आएँगी **।**

(ख) यह कविता 'रामधारी सिंह दिनकर' जी की है **।**

(ग) यह प्रतियोगिता कौन जीतेगा **?**

प्रश्न 6. निम्नलिखित वाक्यों में क्रियाविशेषण के भेद का नाम लिखें:- **3 अंक**

	भेद
(क) दादा जी भीतर सो रहे है।	**स्थानवाचक क्रियाविशेषण**
(ख) नेता जी ज़ोर - ज़ोर से बोलते है।	**रीतिवाचक क्रियाविशेषण**
(ग) रवि ने दावत में खूब खाया।	**परिमाणवाचक क्रियाविशेषण**

प्रश्न 7. निम्नलिखित शब्दों का वाक्य में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए:- **2 अंक**

(क) नीर - **प्यास लगने पर उसने ठंडा नीर पिया।**
नीड़ - **चिड़िया अपने नीड़ में आराम कर रही है।**

(ख) पका - **पेड़ पर आम पूरी तरह पका हुआ है।**
पक्का - **वह अपने इरादे का पक्का इंसान है।**

प्रश्न 8. मुहावरें का उनके अर्थों से मेल कीजिए:- **2 अंक**

(क) चिकना घड़ा होना **कुछ असर न होना**
(ख) बाएँ हाथ का खेल होना **बहुत आसान काम**
(ग) आँखों में धूल झोंकना **धोखा देना**
(घ) नौ-दो-ग्यारह होना **भाग जाना**

प्रश्न 9. केस-आधारित अध्ययन प्रश्न:- **4 अंक**

नीचे दिए गए अनुच्छेद पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

सुबह का समय था। सूर्य धीरे-धीरे आकाश में ऊपर चढ़ रहा था और उसकी सुनहरी किरणें चारों ओर फैल रही थीं। वातावरण शांत और सुहावना था। अचानक तेज़ हवा चलने लगी और पेड़ों की डालियाँ हिलने लगीं। बादल भी घिर आए और मौसम बदलता हुआ प्रतीत होने लगा।

पास के मैदान में खेल रहे बच्चे जल्दी-जल्दी अपना सामान समेटकर घर की ओर भागने लगे। तभी एक वृद्ध व्यक्ति वहाँ आया। उसके चेहरे पर गंभीरता थी, परंतु स्वर में आत्मविश्वास झलक रहा था। उसने बच्चों को समझाते हुए कहा, "कभी भी संकट में घबराना नहीं चाहिए। धैर्य और साहस से हर कठिनाई का सामना किया जा सकता है।"

उसके शब्द सुनकर सभी शांत हो गए और पुनः अपने कार्य में लग गए। बच्चों ने समझ लिया कि परिस्थितियाँ चाहे जैसी भी हों, संयम और हिम्मत बनाए रखना आवश्यक है।

(क) उपर्युक्त अनुच्छेद से दो अविकारी शब्द चुनिए। **अचानक पुनः**
(ख) "धीरे-धीरे" शब्द किस प्रकार का अविकारी शब्द है? **रीतिवाचक क्रियाविशेषण**
(ग) अनुच्छेद में प्रयुक्त संबंधबोधक अव्यय लिखिए। **में पर से**
(घ) **चाहे जैसी भी हों, संयम और हिम्मत बनाए रखना आवश्यक है।** वाक्य में आए विराम चिन्हों के नाम लिखिए।
अल्पविराम (,) **पूर्णविराम (।)**

खंड ग (रचनात्मक लेखन) **10 अंक**

प्रश्न 10. आपके शहर में एक नई जूस की

दुकान खुल रही है। "स्वादिष्ट जूस हाउस" के लिए एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

5 अंक

अथवा

संकेत-बिंदुओं के आधार पर कहानी लिखिए तथा उचित शीर्षक भी दीजिए:-

शहर में एक बच्चा..... खोया हुआ पालतू कुत्ता..... साहसिक खोज..... नई दोस्ती.....खुशी और मिलन.....

प्रश्न 11. विद्यालय देरी से पहुँचे एक छात्र तथा अध्यापक के बीच में संवाद लिखिए।

अथवा

आपके विद्यालय में स्वच्छता अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में सभी छात्रों को सूचित करते हुए लगभग 50 शब्दों में एक सूचना लिखिए। (सूचना में तिथि, समय, स्थान तथा आवश्यक निर्देश अवश्य दें।)

खंड घ (साहित्य) 18 अंक

प्रश्न 12. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए- **4 अंक**

(क) प्रतिष्ठा - **सम्मान** (ख) शिखर - **चोटी**

(ग) केसरिया - **नारंगी** (घ) तत्काल - **उसे समय**

प्रश्न 13. बहुवैकल्पिक प्रश्नों के सही उत्तर पर सही (√) का निशान लगाएँ- **2 अंक**

(क) **"अब तुम कमज़ोर नहीं, ताकतवर बनोगी और हिम्मत से अपना हक लोगी।** यह पंक्ति किसने कहा?

(i) यूल्या (ii) **लेखक** (iii) दोनों

(ख) हम कहाँ दोगुना ऊँचे उड़ सकते है?

(i) **एवरेस्ट शिखर** (ii) हिमायल (iii) कही भी नहीं

प्रश्न 14 सही या गलत का निशान लगाइए:- **2 अंक**

(क) साँवले और मँझले कद का आदमी कालिदास था। (**गलत**)

(ख) यूल्या बच्चों का सारा काम करती थी। (**सही**)

प्रश्न 15 प्रश्नो के उत्तर एक शब्द दीजिए:- **3 अंक**

(क) कमज़ोर कहानी के लेखक का नाम - **एन्तोन चे. खाव**

(ख) कविता किस पर आधारित थी - **राष्ट्रीय ध्वज**

(ग) किसानों के देवता का नाम - **वरुण देवता**

प्रश्न 16. प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **3 अंक**

(क) कालिदास पाठ से आपको क्या सीख मिलती है?

कालिदास पाठ से हमे सीख मिलती है कि हमें कभी भी अपने ज्ञान पर घमंड नहीं करना चाहिए |

(ख) बादल किसके साथ मिलकर दूर भाग जाते है?

बादल हवा (पवन) के साथ मिलकर दूर भाग जाते हैं।

(ग) झंडे के रंगो का क्रम लिखिए?

भारत के राष्ट्रीय ध्वज के रंगों का क्रम ऊपर से नीचे इस प्रकार है—

1. **केसरिया**
2. **सफेद (बीच में नीले रंग का अशोक चक्र)**
3. **हरा**

प्रश्न 17. निम्नलिखित पठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:- **(4 अंक)**

डॉ. एम. विश्वेश्वरया। वे अपने क्षेत्र के जितने महान ज्ञाता थे उतना ही महान था उनका चरित्र। प्रस्तुत पाठ में उनके विषद ज्ञान के साथ उनकी सादगी और विनम्रता की झाँकी मिलती है। यह (संस्मरण) हमें सीख देता है कि अपने क्षेत्र में गहरा ज्ञान प्राप्त करना जितना जरूरी, है उतना ही जरूरी है उस ज्ञान का जरा-सा भी घमंड न होना। सही कहा जाता है, 'विद्या विनय देती है।'

यह उस समय की बात है जब भारत में अंग्रेज़ों का शासन था। खचाखच भरी एक रेलगाड़ी चली जा रही थी। यात्रियों में अधिकतर अंग्रेज थे। एक डिब्बे में एक भारतीय मुसाफ़िर गंभीर मुद्रा में बैठा था। साँवले रंग और मँझले कद का वह यात्री साधारण वेशभूषा में था इसलिए वहाँ बैठे अंग्रेज़ उसे मूर्ख और अनपढ़ समझ रहे थे और उसका मज़ाक उड़ा रहे थे। पर वह व्यक्ति किसी की बात पर ध्यान नहीं दे रहा था।
अचानक उस व्यक्ति ने उठकर गाड़ी की जंजीर खींच दी। तेज रफतार में दौड़ती वह गाड़ी तत्काल रुक गई। सभी यात्री उसे भला-बुरा कहने लगे। थोड़ी देर में गार्ड भी आ गया और उसने पूछा, 'जंजीर किसने खींची है?'

(क) जंजीर खींचने पर यात्रियों की क्या प्रतिक्रिया थी?
जंजीर खींचने पर सभी यात्री उस व्यक्ति को भला-बुरा कहने लगे और नाराज़ हो गए।

(ख) इस संस्मरण में डॉ. विश्वेश्वरैया के व्यक्तित्व की कौन-सी विशेषताएँ उभरकर आती हैं?
इस संस्मरण में डॉ. विश्वेश्वरैया के व्यक्तित्व की सादगी, विनम्रता, गहन ज्ञान, धैर्य और गंभीरता जैसी विशेषताएँ उभरकर आती हैं।

(ग) यदि आप उस डिब्बे में उपस्थित यात्री होते, तो अंग्रेजों के व्यवहार पर आपकी क्या प्रतिक्रिया होती?
यदि मैं उस डिब्बे में उपस्थित यात्री होता/होती, तो अंग्रेजों के अनुचित व्यवहार का विरोध करता/करती और उस भारतीय यात्री के प्रति सम्मान प्रकट करता/करती।

(घ) डॉ. विश्वेश्वरैया के धैर्य से हमें क्या प्रेरणा मिलती है?
डॉ. विश्वेश्वरैया के धैर्य से हमें यह प्रेरणा मिलती है कि हमें विपरीत परिस्थितियों में भी शांत रखना चाहिए।